

सातवीं हिंदी (प्रथम भाषा)



महाराष्ट्र राज्य शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद, (विद्या परिषद) पुणे ३०.

प्रगत शैक्षणिक महाराष्ट्र

शैक्षणिक प्रगति कसौटी

आधारभूत कसौटी - कक्षा : सातवीं

विषय : हिंदी (प्रथम भाषा)

विद्यार्थी का नाम : _____

विद्यालय का नाम : _____ दिनांक : / / २०१५

केंद्र : _____ तहसील _____ जिला _____ प्राप्तांक :

उपस्थिति क्रमांक : शिक्षक के हस्ताक्षर _____ पूर्णांक :

प्रश्न १. शब्द सुनकर लिखो ।

(अंक ६)

१) _____ २) _____

३) _____ ४) _____

५) _____ ६) _____

७) _____ ८) _____

९) _____ १०) _____

११) _____ १२) _____

प्रश्न २. परिच्छेद सुनकर लिखो ।

(अंक ४)

परिच्छेद पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखो :

जेरू जिराफ आनंदवन के प्रसिद्ध डॉक्टर थे । वे हर सप्ताह बरगद विद्यालय के बच्चों को प्रथमोपचार सिखाने आते थे ।

जेरू जिराफ के प्रशिक्षण से विद्यालय के बच्चों की समझ-बूझ बढ़ गई थी । छोटी-मोटी दुर्घटना होने पर वे तुरंत घायल की मदद करते और उसे जरूरी प्रथमोपचार देते । बाद में उसे अस्पताल ले जाते।

एक दिन मोंटी बंदर पेड़ पर उछल-कूद कर रहा था । अचानक वह धड़ाम से जमीन पर आ गिरा । जमीन पर पड़ा हुआ काँच का टुकड़ा उसके पैर में चुभ गया । रक्त की धार बहने लगी । देखते-ही- देखते उसके चारों ओर जानवरों की भीड़ लग गई ।

मोंटी की माँ लवली बंदरिया ने जब सुना तो वह भी भागी आई । बेटे के पैर से रक्त बहता देखकर वह जोर-जोर से रोने लगी । “कोई इसे डॉक्टर के पास ले चलो,” वह बोली ।

“जरा ठहरो, अस्पताल जाने से पहले हमें बहते रक्त को रोकना चाहिए,” सोनू गधे ने कहा ।

प्रश्न ३. मॉटी बंदर के पैर से रक्त क्यों बहने लगा? (अंक १)

- अ) नाखून निकल जाने से
- ब) काँच चुभने से
- क) पत्थर लगने से

प्रश्न ४. बरगद विद्यालय के बच्चों की समझ-बूझ कैसे बढ़ गई थी ?
यह परिच्छेद के किस वाक्य से स्पष्ट होता है ।

(अंक २)

प्रश्न ५. विद्यालय के बच्चे प्रथमोपचार जानते थे । यह परिच्छेद के किस वाक्य से स्पष्ट होता है ?
(अंक २)

दी गई कविता पढ़ो तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखो ।

पथिक

चल तू अपनी राह पथिक, चल, तुझको विजय-पराजय से क्या ?

भँवर उठ रहे हैं सागर में ।

मेघ घुमड़ते हैं अंबर में ।

आँधी और तूफान डगर में ।

तुझको तो केवल चलना है । चलना ही है फिर हो भय क्या ?

चल तू अपनी राह पथिक, चल, तुझको विजय-पराजय से क्या ?

इस दुनिया में कहीं न सुख है ।

इस दुनिया में कहीं न दुख है ।

जीवन एक हवा का रुख है ।

होने दे होता है जो कुछ, इस होने का निर्णय क्या ?
चल तू अपनी राह पथिक, चल, तुझको विजय-पराजय से क्या ?
अरे थक गया ! फिर बढ़ता चल ।
उठ, संघर्षों से अड़ता चल ।
जीवन विषय पंथ चढ़ता चल ।
अडा हिमाचल हो यदि आगे, 'चढ़ूँ कि लौटूँ' यह संशय क्या ?
चल तू अपनी राह पथिक, चल, तुझको विजय-पराजय से क्या ?

प्रश्न ६. भँवर कहाँ उठ रहे हैं ?

(अंक १)

अ) मन में ब) अंबर में क) सागर में

प्रश्न ७. इस दुनिया में सुख-दुख क्यों नहीं है? ऐसा किन पंक्तियों से स्पष्ट होता है ? (अंक २)

प्रश्न ८. कवि संघर्षों से अड़ने को क्यों कहता है ? ऐसा किन पंक्तियों से स्पष्ट होता है ? (अंक २)

निम्न परिच्छेद पढ़ो तथा नीचे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो ।

मानव जाति के विकास का पूरा इतिहास उसके प्रयत्नों का इतिहास है । संगीत, नृत्य, चित्र, वास्तु, शिल्प, आदि कलाओं तथा ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में मनुष्य ने जो ऊँची उड़ानें भरी हैं, वे मनुष्य की लंबी साधना, अर्थात् प्रयत्नों के प्रतिफलन हैं । आदिम युग से लेकर आधुनिक युग तक पहुँचने में मनुष्य के प्रयत्नों की ही भूमिका रही है। आज जिस स्थिति में हम जी रहे हैं । उससे बेहतर स्थिति में जीवन जीने की झलक वैसे बहुत ही सहज और स्वाभाविक है । आज मनुष्य जिस स्थिति में है उससे उँचे स्तर पर जाने की उसकी इच्छा उसके प्रयत्नों से ही पूर्ण होती है ।

जन्म से बालक सबसे पहले प्रयत्न करता है, अपना पेट भरने का । जैसे-जैसे वह बड़ा होता जाता है वैसे-वैसे अनेक प्रयत्नों के फलस्वरूप कई शारीरिक कुशलताओं को वह आत्मसात करता है। वह रेंगना, बैठना, चलना, बोलना सीखता है । हर एक प्रक्रिया में पहले वह गलतियाँ ही करता है । लेकिन गलतियाँ होती हैं इसलिए वह रूकता नहीं, न हम उसे रूकने देते हैं ।

प्रश्न ९. जीवन के विविध क्षेत्र में मनुष्य ने जो ऊँची उड़ानें भरी हैं वें किनका प्रतिफलन हैं?

(अंक १)

अ) मेहनत का ब) प्रयत्नों का क) ज्ञान का

प्रश्न १०. 'आदिम युग से लेकर आधुनिक युग तक मनुष्य ने जो सफलता पाई है वह उसके प्रयत्नों का ही परिणाम है', किन दो वाक्यों से स्पष्ट होता है? वे वाक्य लिखो।

(अंक २)

प्रश्न ११. मनुष्य पहले गलतियाँ करता है, फिर सीखता है, स्पष्ट करो ।

(अंक २)

प्रश्न १२. नीचे दिया गया प्रसंग और पढ़ो उसके अनुरूप योग्य कहावतें पहचान कर उचित उत्तर को गोल करो ।
(अंक २)

१) सिद्धांत की पुस्तक खो गई । उसने उसे हर जगह खोजा किंतु नहीं मिली । उसने अपने मित्र को फोन करके पूछा, पुस्तक मित्र के पास भी नहीं थी । विद्यालय जाने के लिए जब उसने अपना बस्ता खोला तो उसने देखा कि पुस्तक बस्ते में ही थी। इसी को कहते हैं न.....

अ) खोदा पहाड़ निकली चुहिया ।

ब) गोद में लड़का, शहर में ढिंढोरा ।

क) सुनिए सबकी, करिए मन की ।

२) गायक इतना सुंदर गा रहा है और तुम कहते हो कि वह गला फड़ा रहा है। यह तो वही बात हुई

अ) दूर के ढोल सुहावने ।

ब) नाच न जाने आँगन टेढ़ा

क) बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद ।

प्रश्न १३. नीचे दिए वाक्य में अधोरेखित शब्दों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरे का उपयोग कर वाक्य फिर से लिखो ।

(आँखें भर आना, आँखें मुँदी जाना, आँखों का तारा होना)

रोहन अपनी माँ-बाप की इकलौती संतान था । वह उन्हें बहुत प्रिय था । (अंक १)

प्रश्न १४. कोष्ठक में दी गई क्रिया का वाक्य में प्रयोग करो ।

मारिया अपना काम स्वयं _____ लगी (करना)

(अंक १)

प्रश्न १५. नीचे दिए गए परिच्छेद में उचित सर्वनाम का उपयोग करो । (अंक २)

संजय होनहार लड़का है । ——— विद्यालय समय से आता है । ——— सभी विषयों का उत्तम ज्ञान है । ——— छोटी उम्र में ही एक कविता लिखी । कवि बनना ——— स्वप्न है ।

प्रश्न १६. 'पीला' और 'असंख्य' विशेषणों का उपयोग कर प्रत्येक के लिए एक वाक्य लिखो । (अंक २)

प्रश्न १७. 'इक' प्रत्यय लगाकर दो शब्द लिखो ।

जैसे : नीति - नैतिक

(अंक १)

१. शिक्षण - _____

२. प्रसंग - _____

प्रश्न १८. नीचे दिए गए वाक्य में अधोरेखित संज्ञा का भेद लिखो ।

(अंक १)

क्यारी में गुलाब के फूल खिले हैं ।
